तेरी पुजारन गोगा | By Geetika Kashyap

तेरी पुजारन गोगा द्वार तेरे आयी है
तेरी ही भक्ति की बारिश में नहायी है
जन्मो जनम तेरी दासी कहलाऊँ
उमर तेरी चाकरी में ही बिताऊं
उमर तेरी चाकरी में ही बिताऊं

चलती है बाबा तेरी ज़मीं आसमान में
जयकारे गूंजे तेरे सारे जहान में
सूरज और चाँद सारे तुझमे समाये हैं
रेहमत की बारिश भक्तों पे बरसाए हैं
जाहरवीर चरणों में ही खो जाऊं
उमर तेरी चाकरी में ही बिताऊं
उमर तेरी चाकरी में ही बिताऊं

बिगड़े मेरे भी थोड़े बना देना काम जी
जपति रहूंगी जाहरवीर तेरा नाम जी
नैया मेरी जब गोगा सम्भली ना जाए
हम भी तुम्हारे लेना आकर के थाम जी
मेडी वाले मैं तेरी जोगन बन जाऊं
उमर तेरी चाकरी में ही बिताऊं
उमर तेरी चाकरी में ही बिताऊं

खीर चूरमे का गोगा भोग लगाया है
दाल प्याज़ और गुलगुले से थाल सजाया है
सांपो के देव गोगा इतनी है विनती
पार लगाना जो भी दर तेरे आया है
ओढ़ा तेरा नाम गोगा तुझको ही ध्याऊँ
उमर तेरी चाकरी में ही बिताऊं
उमर तेरी चाकरी में ही बिताऊं

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%aa%e0%a5%81%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%a8-%e0%a4%97%e0%a5%8b%e0%a4%97%e0%a4%be-by-geetika-kashyap-2/